सेवामें,   दि. 12/6/03

सचिव
द एडवरटाईजिंग स्टैण्डर्ड काउंसिल ऑफ इण्डिया
सेक्रेटेरियट -205, बॉम्बे मार्केट
पोस्ट बॉक्स नं. 7939, ताड़देव रोड़
मुम्बई - 400034

विषय : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के विज्ञापन में बुजुर्गों का अपमान

महोदय,

(1) दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक विज्ञापन टी.बी. रोग एवं डॉट्स उपचार के बारे में आता है जिसमें एक व्यक्ति दुःखी हालत में अस्पताल जाता है तथा डॉक्टर से बातें कर खुशी में नाचता बाहर आकर कहता है- " अरे मैं ठीक हो जाऊँगा"। ऐसा सुनकर एक 70-80 वर्षीय वृद्ध जिसके मुँह में दाँत नहीं हैं, कुछ कहने का प्रयास करता है । वृद्ध के इस प्रयास की तीन-चार युवक नकल उतार कर चिढ़ाने के रूप में कुछ बोलते हैं । विज्ञापन समाप्त हो जाता है । क्या यही संस्कृति तथा मूल्य हम नई पीढ़ी को दे रहे हैं ? इस विज्ञापन में वृद्ध के बोलने तथा युवकों द्वारा नकल उतारने की आवश्यकता ही क्या है ?

(2) राष्ट्रीय चैनल (दूरदर्शन) पर ही बरसों से बच्चों का एक कार्यक्रम प्रस्तुत होता है- तरंग। तरंग (सी.आई.ई.टी/ज्ञान दर्शन) के एक भाग में लाल बुझक्कड़ बाबा के द्वारा दो बच्चों को हर कड़ी में कुछ सीख दी जाती है। ये बच्चे हर कड़ी में लाल बुझक्कड़ बाबा की नकल उतारते रहते हैं। आखिर हम इससे बच्चे को क्या सिखाना चाहते हैं ।

कृपया इस सन्दर्भ में कार्यवाही करने का श्रम करें ।

(डॉ. सुरेन्द्र कटारिया)
73/54 ए, मानसरोवर,
जयपुर-20 (राज.)

प्रतिलिपि

(1) सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
(सुरेन्द्र कटारिया)